ठाकुर का कुआँ

वर्कशीट-4 (12.12.2020)

वर्क - 1

◆ **सूचना : 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

गंगी के हाथ से रस्सी छूट गयी । रस्सी के साथ घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा और कई क्षण तक पानी में हिलकोरे की आवाजें सुनाई देती रहीं ।ठाकुर कौन है, कौन है? पुकारते हुए कुएँ की तरफ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी ।घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाये वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

(1) **'गंगी के हाथ से रस्सी छूट गयी।'** - इसमें **'छूट गयी'** क्रिया का सीधा संबंध वाक्य के किस शब्द से है?

(गंगी / हाथ / रस्सी)

(2) **'गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।'** - इसमें **'भागी जा रही थी'** क्रिया का सीधा संबंध वाक्य के किस शब्द से है?

(जगत / गंगी / कूदकर)

(3) **'गिरा'** क्रिया के स्थान पर कोष्ठक के किस रूप रखकर सही वाक्य बना सकता है? - **घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा।**

(गिरेगा / गिरेगी / गिरेंगे)

(4) **'आ रहे थे'** क्रिया के स्थान पर कोष्ठक के किस रूप रखकर सही वाक्य बना सकता है? - **ठाकुर कुएँ की तरफ आ रहे थे।**

(आएगा / आएँगे / आएगी)

arjunsivaram.k@gmail.com

वर्क - 2

(1) घर पहुँचकर गंगी ने देखा कि जोखू गंदा पानी पी रहा है। इस प्रसंग पर दोनों के बीच का संभावित **वार्तालाप** की पूर्ति करें।

जोखू : (लोटे को नीचे रखते हुए) ____________ आई! खूब पानी मिला?

गंगी : (हाँफते हुए) पानी ____________।

जोखू : क्या हुआ गंगी?

गंगी : मैं रस्सी खींच रही थी, तब तक ठाकुर का ____________ ।

जोखू : उन्होंने तुझे देखा?

गंगी : नहीं, देखा नहीं। पर डर के मारे ____________।

जोखू : ____________पहचान लिया क्या?

गंगी : नहीं, नहीं, मैं ____________ भाग आई।

जोखू : हे भगवान, पकड़ जाए तो.....

गंगी : हाँ जी। हम क्या करें, हमारे नसीब में ऐसा ही लिखा होगा।

जोखू : यह कैसी दुनिया है! ____________ अधिकार भी हमें नहीं।

➢ **रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए इन शब्दों से सहायता लें -**

arjunsivaram.k@gmail.com

जल्दी आई

कूदकर

ठाकुर ने तुम्हें

दरवाज़ा खुल गया

भर नहीं पाई

शुद्ध पानी पीने का

हाथ से रस्सी छूट गई

वर्क - 3

(1) सही मिलान करें।

(इन व्यवहारों से गंगी के कौन-कौन से मनोभाव प्रकट होते हैं?)

व्यवहार	मनोभाव
1. "गंगी क्या जवाब देती, किंतु वह बदबूदार पानी पीने को न दिया।"	• सामाजिक अन्याय के खिलाफ़ विद्रोही सोच अपनाने और पति की ज़रूरत को निभाने का मनोभाव।
2. "उसने घड़ा और रस्सी उठा ली और झुककर चलती हुई एक वृक्ष के अंधेरे साये में जा खड़ी हुई।"	• विद्रोही सोच होने पर भी सामाजिक परिस्थितियों में असहाय होने की भावना।
3. "ठाकुर 'कौन है, कौन है' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।"	• सारी विवशताओं के बीच भी पति के स्वास्थ्य की परवाह करने का मनोभाव।

वर्क — 4

(1) संकेत बिंदुओं के आधार पर **गंगी के चरित्र पर टिप्पणी** तैयार करें।

arjunsivaram.k@gmail.com

- कहानी का मुख्य पात्र
- गरीब एवं निम्न जाति की स्त्री
- जोखू की पत्नी
- विद्रोही सोचवाली
- सामाजिक पाबंदियों पर क्षोभ प्रकट करनेवाली
- सफल गृहिणी
- समझदार और ज़िम्मेदार
- असहाय दलित नारी का प्रतिनिधि